

but it appears from the comment that he r. like the others.—C in the text रत्नैश्च सर्वैश्च, in two Codd., but in the comment like the others.—4. S व्यापीच, N आपीत, B अपीच.—D ताम्रा for तन्त्रो.—5. A, S द्विकविवर्द्धिभिः—The title in A, S is चामरादिदंडलक्षणं.—The number in C is 68, in A, S 70, in B, D 72.

CHAPTER LXXIII.

1. A, S दुकूलेन.—2. C explains आविलं by समंततो युक्तां, one would expect मालावलि for मालाविलं, but all the MSS. agree in the r.—2. D, N तु for च, C, S om.—All छतार्ध changed by me into छतार्ध.—6. C तु for च, om. in B, D, N ; in A the last word of vs. 5, and the whole of vs. 6, except विप्राणां omitted.—S च वि० for तु वि० B, D, N om.—The number of this Ch. in C is 69, in A, S 71, in B, D 73.

CHAPTER LXXIV.

1. One Cod. of C both times सारं in the text, and सारः in the comment, like another Cod. One Cod. of C वेश्मनि for सद्मनि.—N वरस्त्री.—D, N सारं for सारः—2. All but C, N वनिताश्च for वनिता न.—A, S अंगनाभिसंगम्.—3. A, S चित्रं for तन्त्रं.—C, D आशंकतां.—5. A, S, N कथयन्ति दोषान्.—6. D यथातथा वै for गुणाधिकास्ते.—A, S मनुनापि च.—7. C, D ददौ, N शैचं ददावासां गंधर्वाश्च गिरं शुभां.—A, S निःक.—8. All but D, N च सर्वतः—9. C, D मासे मासे.—A, S यासां.—11. All but C स्त्रियो for तथोर्.—C कुतः शुभं, N सुखं कुतः—12. D अपेक्षन्ते, the others, but N, write अवेक्ष्यन्ते.—15. D, N चोराणाम्.—D तिष्ठ तिष्ठेति भाषतां.—16. B, D मृतं तमवगूह्य.—A, S हव्यवाहं for सप्तजिह्वं.—17. One Cod. of C स्वांप्रति, another मां प्रति, the expl. shows that मां प्रति is meant ; C mentions besides a v. r. संप्रति, the r. of A, S, B, D ; in N तं प्रति: it has been changed by me into स्वं प्रति.—S अनलादीपित.—18. D पीडन.—20. D, N जगत्समग्रं.—The number of this Ch. in C is 70, in A 73, in B, D 74, in S, N om.

CHAPTER LXXV.

1. S जातं.—D कामयति.—A, S यस्य.—2. S, and once C भक्ता.—B, D and one Cod. of C चास्यां, N तस्यां.—A, S नोऽन्यताम्.—3. A, S अतिक्रम.—S, D एव for एष.—D यस्य स चायं for तच्च गतोऽयमात्मा.—After vs. 3 A, S have : यथा मधुकरीं ध्यायन्नीलकण्ठमयो भवेत् । तद्धानाश्च तथा नारीगर्भं